CBSE CIRCULAR 2023-24



केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

'शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)



CBSE/ACADEMIC/JS(SS)/2023/

6th April, 2023 Circular No. Acad-45/2023

All Heads of Institutions affiliated to CBSE

Subject: Assessment and Evaluation Practices of the Board for the Session 2023-24

The National Education Policy, 2020 has affirmed the need to move from rote learning to learning more focused on developing the creative and critical thinking capacities of students to meet the challenges of the 21st century proactively. Accordingly, the Board has taken multiple steps towards implementation of Competency Focused Education in schools, ranging from aligning assessment to competencies, development of exemplar resources for teachers and students as well as continuous capacity building of teachers etc.

The Board has released guidelines vide Circular No. Acad-05/2019 dated 18.01.2019; Circular No. Acad-11/2019 dated 06.03.2019; Circular No. Acad-18/2020 dated 16.03.2020; and Circular No.Acad-57/2022 dated 20.05.2022 to progressively align assessment to the vision of the NEP by including more competency-based questions in the Class X and XII Board examinations

In continuation to these circulars, the Board is initiating further corresponding changes in the Examination and Assessment practices for the academic session 2023-24 to align assessment to Competency Focused Education. Therefore, in the forthcoming session a greater number of Competency Based Questions or questions that assess application of concepts in real-life situations will be part of the question paper.

The changes for classes IX-XII (2023-24) year-end Board Examinations are as under:

(Classes IX-X)					
Particulars	Academic Session 2022-23	Academic Session 2023-24			
Composition of question paper year-end examination/ Board Examination (Theory)	the form of Multiple-Choice Questions,	of MCQs/Case Based Questions, Source-based Integrated Questions or any other type = 50% • Select response type questions(MCQ) = 20% • Constructed response questions (Short Answer/			

(Classes XI-XII)					
Particulars	Academic Session 2022-23 Academic Session 2023-24				
Composition of question paper year-end exami- nation/ Board Examina- tion (Theory)		of MCQs/Case Based Questions, Source-based Integrated Questions or any other type = 40% • Select response type questions(MCQ) = 20% • Constructed response questions (Short			

Curriculum document released by the Board for the Academic Session 2023-24 and the Sample Question Papers may also be referred to for details of the QP design of individual subjects. Learning frameworks for various subjects for classes IX-XII are now available at the https://cbseacademic.nic.in for reference.

(Dr. Joseph Emmanuel) Director (Academics)



'शिक्षा सदन', 17 राऊज़ एवेन्यू, इंस्टीटूशनल एरिया, नई दिल्ली-110002 'Shiksha Sadan', 17, Rouse Avenue, Institutional Area, New Delhi - 110002

Digital India Power To Empower



फोन/Telephone: 011-23212603 वेबसाइट/Website:http://cbseacademic.nic.in मेल/e-mail: directoracad.cbse@nic.in.

CBSE CIRCULAR 2023-24



केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)



CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

F.1001/CBSE-Acad/Curriculum/2023

March 31, 2023

Cir No: Acad-39/2023

All Heads of Institutions affiliated to CBSE

Subject: Secondary and Senior School Curriculum and Sample Question Papers for the session 2023-24

- 1. CBSE annually provides the curriculum for classes IX to XII containing academic content, syllabus for examinations with learning outcomes, pedagogical practices, and assessment guidelines.
- 2. It is important that schools ensure curriculum transactions as per the directions given in the initial pages of the Curriculum document. The subjects should be taught as per the curriculum given by suitably incorporating strategies such as Art-Integrated Education, Experiential Learning, Pedagogical Plans, etc. wherever possible.
- 3. As CBSE has adopted National Curriculum Framework for Foundational Stage 2022, schools offering foundational or preparatory education are advised to adhere to the recommendations regarding curriculum, pedagogy, assessment, and other areas described in detail in the NCFFS-2022 and guidelines of the Board issued from time to time.
- 4. Sample Question Papers with detailed designs of the Question Paper are also available on CBSE's website to reflect the impact of changes made in the curriculum. SQPs also provide students with an idea of the exam pattern and the type of questions that may be asked in the actual examination in order to ensure transparency and reduce stress. Students will also get a clear understanding of the weightage of different topics and the marking scheme to be followed by going through these Sample Question Papers.

Schools are requested to share the Curriculum and Sample Question Papers available on **www.cbseacademic.nic.in** at the given links, with all students and teachers –

- Secondary & Senior Secondary School Curriculum <u>https://cbseacademic.nic.in/curriculum_2024.html</u>
- Sample Question Papers Secondary –

https://cbseacademic.nic.in/SQP_CLASSX_2023-24.html

Sample Question Papers – Senior Secondary –
 https://cbseacademic.nic.in/SQP_CLASSXII_2023-24.html

(Dr. Joseph Emmanuel) Director (Academics)



'शिक्षा सदन', 17 राऊज़ एवेन्यू इंस्टीटूशनल एरिया, नई दिल्ली-110002 'Shiksha Sadan', 17, Rouse Avenue, Institutional Area, New Delhi - 110002





हिंदी-'अ'

कक्षा दसवीं (कोड संख्या 002) नवीनतम पाठ्यक्रम-2023-24 (दिनांक 31 मार्च 2023 को प्रेषित)

प्रश्न-पत्र दो खंडों : खंड - 'अ' और खंड - 'ब' में विभक्त होगा। खंड - 'अ' में 44 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे। खंड - 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे। भारांक- {80(वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+20 (आंतरिक परीक्षा)}

निर्धारित समयः 3 घंटे भारांकः 80

वार्षिक बोर्ड परीक्षा हेतु भार-विभाजन					
			खंड - अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)		
विषय-वस्तु			उप भार	कुल भार	
1.	1. अपठित गद्यांश व काव्यांश पर चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित				
	बहुविकल्पीय प्रश्न।				10
	(27)	एक	अपठित गद्यांश लगभग 250 शब्दों का, इसके आधार पर एक अंकीय पाँच	10	
	(अ)	बह	विकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगे (1×5 = 5)	5	
			एक अपठित काव्यांश लगभग 120 शब्दों का, इसके आधार पर एक अंकीय पाँच		
	(ब)		विकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगे (1×5=5)	5	
2.	व्याकर		के लिए निर्धारित विषयों <mark>पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर</mark>		
			य प्रश्न। (1×16)		
			प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।)		
	व्याकरण				
	1.				
	2.	वाच्य (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे) 4			
	3.	पद-परिचय (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे) 4			
	4.	अ	लंकार : (शब्दालंकार : श्लेष) (अर्थालंकार : उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण)	4	
			अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)		
3.					
	(अ)		खंड	7	
		1.	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान-बोध, अभिव्यक्ति	5	
			आदि पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×5)	3	
		2.	क्षितिज से निर्धारित गद्य-पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन		
			क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे	2	
			जाएँगे। (1×2)		14
	(ब)		काव्य खंड	7	
		1.	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर एक अंकीय पाँच	5	
			बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×5)	3	
		2.	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु एक	2	
			अंकीय दो बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगे (1×2)		

		खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)		
		पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-2		
1.	(अ)	गद्य खंड		
		क्षितिज से निर्धारित पाठों में से विषय-वस्तु का ज्ञान-बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित—25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2×3)	6	
	(অ)	काव्य खंड		
		क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्य-बोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित—25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2×3)	6	20
	(स)	पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-2		
		कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सिहत—50-60 शब्द-सीमा वाले 3 में से 2 प्रश्न करने होंगे) (4×2)	8	
2.	लेखन			
	(i)	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत-बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर <mark>लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद</mark> लेखन	6	
	(ii)	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र	5	20
	(iii)	उपलब्ध रिक्ति के लिए <mark>लगभग 80 शब्दों में</mark> स्ववृत्त लेखन अथवा विविध विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में औपचारिक ई-मेल लेखन	5	
	(iv)	विषय से संबंधित लगभग 40 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन अथवा संदेश लेखन लगभग 40 शब्दों में (शुभकामना, पर्व-त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)	4	
		कुल		80
		आंतरिक मूल्यांकन	अंक	20
	(अ)	सामयिक आकलन	5	
	(অ)	बहुविध आकलन	5	
	(स)	पोर्टफोलियो	5	
	(द)	श्रवण एवं वाचन	5	
		कुल		100

निर्धारित पुस्तकें :

- क्षितिज, भाग-2, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
- 2. कृतिका, भाग-2, एनःसीःईःआरःटीः, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट- निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे -

क्षितिज, (भाग - 2)	काव्य खंड	• देव-सवैया, कवित्त (पूरा पाठ)
		 गिरिजाकुमार माथुर – छाया मत छूना (पूरा पाठ)
		ऋतुराज – कन्यादान (पूरा पाठ)
	गद्य खंड	 महावीरप्रसाद द्विवेदी – स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन (पूरा
		पाठ)
		 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - मानवीय करुणा की दिव्य चमक (पूरा पाठ)
कृतिका,(भाग - 2)	 एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! (पूरा पाठ) 	
	 जार्ज पंचम की नाक (पूरा पाठ) 	

कक्षा दसवीं हेतु प्रश्न-पत्र का विस्तृत प्रारूप जानने के लिए कृपया बोर्ड द्वारा जारी आदर्श प्रश्न-पत्र देखें।

पठन कौशल

- सरसरी दृष्टि से पढ़कर पाठ का केंद्रीय विचार ग्रहण करना।
- एकाग्रचित हो एक अभीष्ट गित के साथ मौन पठन करना।
- पठित सामग्री पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- भाषा, विचार वएं शैली की सराहना करना।
- साहित्य के प्रति अभिरुचि का विकास करना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की प्रकृति के अनुसार पठन कौशल का विकास।
- संदर्भ के अनुसार शब्दों के अर्थ-भेदों की पहचान करना।
- सिक्रय (व्यवहारोपयोगी) शब्द भंडार की वृद्धि करना।
- पठित सामग्री के विभिन्न अंशों का परस्पर संबंध समझना।
- पठित अनुच्छेदों के शीर्षक एवं उपशीर्षक देना।
- कविता के प्रमुख उपादान यथा तुक, लय, यित, गित, बलाघात आदि से परिचित कराना।

लेखन कौशल

- लिपि के मान्य रूप का ही व्यवहार करना।
- विराम-चिह्नों का उपयुक्त प्रयोग करना।
- प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
- उपयुक्त अनुच्छेदों में बाँटकर लिखना।
- प्रार्थना पत्र, निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, संवेदना पत्र, ई-मेल, आदेश पत्र, एस.एम.एस. आदि लिखना और विविध प्रपत्रों को भरना।
- विविध स्रोतों से आवश्यक सामग्री एकत्र कर अभीष्ट विषय पर निबंध लिखना।
- देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना और उन पर अपनी प्रतिक्रिया देना।

- हिन्दी की एक विधा से दूसरी विधा में रूपांतरण का कौशल।
- समारोह और गोष्ठियों की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करना।
- सार, संक्षेपीकरण एवं भावार्थ लिखना।
- गद्य एवं पद्य अवतरणों की व्याख्या लिखना।
- स्वानुभृत विचारों और भावनाओं को स्पष्ट सहज और प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करना।
- क्रमबद्धता और प्रकरण की एकता बनाए रखना।
- लिखने में सृजनात्मकता लाना।
- अनावश्यक काट-छाँट से बचते हुए सुपाठ्य लेखन कार्य करना।
- दो भिन्न पाठों की पाठ्यवस्तु पर चिन्तन करके उनके मध्य की सम्बद्धता (अन्तर्संबन्धों) पर अपने विचार अभिव्यक्त करने में सक्षम होना।
- रटे-रटाए वाक्यों के स्थान पर अभिव्यक्तिपरक/स्थित आधारित/उच्च चिन्तन क्षमता वाले प्रश्नों पर सहजता से अपने मौलिक विचार प्रकट करना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुच्छेद लेखन

- पूर्णता संबंधित विषय के सभी पक्षों को अनुच्छेद के सीमित आकार में संयोजित करना।
- क्रमबद्धता विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना।
- विषय-केन्द्रित प्रारंभ से अंत तक अनुच्छेद का एक सूत्र में बंधा होना।
- सामासिकता अनावश्यक विस्तार न देकर सीिमत शब्दों में यथासंभव पूरी बात कहने का प्रयास करना।

पत्र लेखन

- अनौपचारिक पत्र विचार-विमर्श का जिर्या जिनमें मैत्रीपूर्ण भावना निहित, सरलता, संक्षिप्त और सादगी से भरी लेखन शैली।
- औपचारिक पत्रों द्वारा दैनिक जीवन की विभिन्न स्थितियों में कार्य, व्यापार, संवाद, परामर्श, अनुरोध तथा सुझाव के लिए प्रभावी एवं स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का विकास।
- सरल और बोलचाल की भाषाशैली, उपयुक्त, सटीक शब्दों के प्रयोग, सीधे-सादे ढंग से विषय की स्पष्ट और प्रत्यक्ष प्रस्तुति।
- प्रारूप की आवश्यक औपचारिकताओं के साथ सुस्पष्ट, सुलझे और क्रमबद्ध विचार आवश्यक तथ्य, संक्षिप्तता और सम्पूर्णता के साथ प्रभावी प्रस्तुति।

विज्ञापन लेखन

(विज्ञापित वस्तु / विषय को केंद्र में रखते हुए)

- विज्ञापित वस्तु के विशिष्ट गुणों का उल्लेख
- आकर्षक लेखन शैली
- प्रस्तुति में नयापन, वर्तमान से जुड़ाव तथा दूसरों से भिन्नता
- विज्ञापन में आवश्यकतानुसार नारे (स्लोगन) का उपयोग
- विज्ञापन लेखन में बॉक्स, चित्र अथवा रंग का उपयोग अनिवार्य नहीं किन्तु समय होने पर प्रस्तुति को प्रभावी बनाने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

संवाद लेखन

(दी गई परिस्थितियों के आधार पर संवाद लेखन)

- सीमा के भीतर एक-दूसरे से जुड़े सार्थक और उद्देश्यपूर्ण संवाद
- पात्रों के अनुकूल भाषा शैली
- कोष्ठक में वक्ता के हाव-भाव का संकेत
- संवाद लेखन के अंत तक विषय/मुद्दे पर वार्ता पूरी

लघु-कथा लेखन

(दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर रचनात्मक सोच के साथ लघुकथा लेखन)

- कथात्मता
- निरन्तरता, जिज्ञासा/रोचकता
- प्रभावी संवाद/पात्रानुकूल संवाद
- रचनात्मकता/कल्पनाशक्ति का उपयोग

संदेश-लेखन

(शुभकामना, पर्व-त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)

- विषय से संबद्धता
- संक्षिप्त और सारगर्भित
- भाषाई दक्षता एवं प्रस्तुति
- रचनात्मता/सृजनात्मकता
- विषय के अनुकूल काव्य-पंक्तियों का आंशिक उपयोग, किन्तु इसकी अनिवार्यता नहीं

ई-मेल लेखन

(विविध विषयों पर आधारित औपचारिक ई-मेल लेखन)

- बोधगम्य भाषा
- विषय से संबद्धता
- संक्षिप्त, स्पष्ट व सारगर्भित
- शिष्टाचार व औपचारिकताओं का निर्वाह

स्ववृत लेखन

(उपलब्ध रिक्ति के लिए स्ववृत लेखन)

- स्पष्ट, सम्पूर्ण व व्यवस्थित
- नाम, जन्मितिथि, वर्तमान पता, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, अभिरुचियों, आत्मकथ्य, दूरभाष आदि का उल्लेख (परीक्षा में गोपनीयता का निर्वाह अपेखित)
- अन्य विशेष जानकारी/योग्यता आदि

सूचना लेखन

(औ<mark>पचारिक शै</mark>ली में व्यावहारिक जीवन से सम्बन्धित विषयों पर आधारित सूचना लेखन)

- सरल एवं बोधगम्य भाषा
- विषय की स्पष्टता
- विषय से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी
- औपचारिक शिष्टाचार का निर्वाह